राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058
पुस्तकों के पुनर्मुद्रण हेतु निविदा

शोध एवं प्रकाशन अनुभाग, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),नई दिल्ली, 02 (दो) संस्कृत ग्रन्थों नामत: वाचस्पत्यम् (5442 अनुमानित पृष्ठ, पृष्ठाकार 8.5X11 इंच) तथा शब्दकल्पद्रुम (3168 अनुमानित पृष्ठ, पृष्ठाकार 9.5X12.5 इंच) प्रत्येक की 500 प्रतियों के पुनर्मुद्रण कार्य हेतु अनुभवी मुद्रकों/प्रकाशकों से निविदा आमंत्रित करता है। निविदा संबंधित नियम/शर्तें संस्थान की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in और भारत सरकार के केन्द्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल http://www.eprocurement.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्रभारी

Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University)
56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi-110058
NOTICE INVITING TENDER
FOR REPRINTING OF BOOKS

Research & Publication Section, Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University), New Delhi invites tender from experienced printers/publishers for reprinting of 500 copies of each 02 (two) Sanskrit books namely वाचस्पत्यम् Vachaspatyam (5442 estimated pages, size of 8.5x11 Inch) and शब्दकल्पद्रुम Shabdakalpdrum (3168 estimated pages, size of 9.5x12.5 Inch). Detailed terms & conditions of the tender may be downloaded from the Sansthan website www.sanskrit.nic.in and Public procurement portal of Govt. of India at http://www.eprocurement.gov.in.

In-charge

रा.सं.सं./शोध एवं प्रका./पुनर्मुद्रण/2017-18/

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.), नई दिल्ली

(शोध एवं प्रकाशन)

निविदा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार), नई दिल्ली के अन्तर्गत कार्यरत संस्था है। हम वाचस्पत्यम् तथा शब्दकल्पद्रुम् ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण करवाना चाहते हैं। उक्त मुद्रण (उत्तम क्वालिटी) कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्तें निम्नवत् हैं-

1) इच्छुक मुद्रक/ प्रकाशक (5 वर्षों का संस्कृत पुस्तक मुद्रण का अनुभव हो) प्रमाणित दस्तावेज़ के साथ निर्धारित रूप में मुहरबंद निविदा, प्रभारी (शोध एवं प्रका.) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, 56-57, इन्स्टीट्शनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 के नाम विज्ञापन प्रकाशित तिथि से दो सप्ताह सायं 5.00 बजे तक स्पीड पोस्ट/व्यक्तिगत रूप से भेज सकते हैं।
2) निविदा मूल्य प्रत्येक ग्रन्थ के प्रति पृष्ठ के अनुसार दिया जाए और इस प्रति पृष्ठ मूल्य में समस्त लागत (स्कैनिंग, छपाई, बाईण्डिग, सिलाई, पैकिंग, कवर, संस्थान तक आपूर्ति तथा अन्य समस्त लागत समाहित हो)
3) ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण हेतु नमूना, कार्यालय समय में संस्थान के विक्रय अनुभाग में देखा जा सकता है।
4) कवर डिजाइन संस्थान द्वारा निर्धारित है।
5) कागज 80 जी.एस.एम. का उपयोग करना वांछनीय है तथा निविदा के साथ पेपर का नमूना भी संलग्न करें।
6) मुद्रण कार्यादेश के दो माह के अन्दर पुस्तकें संस्थान के विक्रय विभाग में आपूर्ति करनी होगी तथा आपूर्ति हेतु व्यय का वहन मुद्रक द्वारा किया जाएगा।
7) वाचस्पत्यम् एवं शब्दकल्पद्रुम् प्रत्येक की 500 प्रतियाँ मुद्रित की जायेगी।
8) कार्यादेश के एक माह के अन्दर बाइण्डिग की हुई प्रत्येक पुस्तक की दो-दो डमी प्रतियाँ प्रकाशन खर्च के साथ कार्यालय में प्रस्तुत करनी आवश्यक है, जिससे कि एन.बी.टी. द्वारा प्रकाशन खर्च का आकलन करवाया जा सके। डमी प्रतियाँ सुपाठ्य न होने पर मुद्रणादेश निरस्त भी किया जा सकता है।
9) एन.बी.टी. द्वारा आकलित या मुद्रक द्वारा प्रस्तुत प्रकाशन खर्च में से जो राशि कम होगी उसका भुगतान नियमानुसार टैक्स कटौती के बाद किया जाएगा।
10) प्रत्येक पुस्तक को पारदर्शी पॉलीथीन में पैक करके आपूर्ति करनी होगी, जिसका वहन मुद्रक द्वारा स्वयं किया जाएगा।
11) पुस्तकों की गुणवत्ता (मुद्रण, वाइण्डिग, जिल्द कवर, साईज एवं अन्य) पूर्ववत् या बेहतर होगी।
12) जिल्द के ऊपर कवर लगाना आवश्यक है। जिल्द व कवर दोनों पर पुस्तक का नाम, विवरण नमूनानुसार छापना आवश्यक है।
13) निविदा के साथ 10 हजार की बयाना राशि (Earnest Money Deposit) के रूप में डी.डी. या अकाउंट पेई चैक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के नाम भेजना होगा।

14) सफल निविदाकारों को कार्यादेश की राशि का 10% गारंटी राशि के रूप में डी.डी. या अकाउण्ट पेई चैक देना होगा (बयाना राशि घटाकर)। जिसे अन्तिम बिल में जोड़कर भुगतान कर दिया जाएगा। यह राशि बैंक गारण्टी के रूप में भी दी जा सकती है जिसकी बैधता छः माह होनी चाहिए।

15) असफल निविदाकारों की जमा की गयी राशि वापिस की जाएगी।

16) समय पर पुस्तकें आपूर्ति न करने पर 1% प्रति सप्ताह के हिसाब से बिल में कटौती की जाएगी।

17) निविदा के सन्दर्भ में कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जनकपुरी, नई दिल्ली का निर्णय अंतिम होगा।

कुलसचिव (प्र.)